अब तक मिले तेंदुए के 195 और बाघ के 51 पदचिन्ह

- इंदौर के जंगलों में वन्यजीवों की गणना हुई तेज
- नए साल में तस्वीरों और डीएनए रिपोर्ट से तय होगी वास्तविक संख्या

नव भारत न्यूज

इंदौर. वन विभाग की बाघ गणना प्रक्रिया में महू, चोरल, मानपुर, रालामंडल सहित इंदौर की सभी रेंजों में अब तक तेंदुए के 195 और बाघ के 51 पदचिन्ह मिले हैं. इनमें से सबसे ज्यादा निशान चोरल फॉरेस्ट रेंज में दर्ज हुए हैं. गणना के बाद नए साल 2026 में फोटो और वैज्ञानिक विश्लेषण के आधार पर वास्तविक संख्या सामने आएगी.

डीएफओ प्रदीप मिश्रा ने बताया कि इसे गणना कहना व्यवहारिक तौर पर ठीक नहीं है, क्योंकि पदचिन्ह केवल मौजूदगी के प्रमाण हैं. सही संख्या के लिए कैमरों में कैद तस्वीरों का मिलान, डीएनए, विष्ठा, फोटो मार्किंग और अन्य जैविक परीक्षण जनवरी 2026 में शुरू होंगे. इसके बाद महीनों की जांच के बाद ही तेंदुए और बाघों की असल संख्या सामने आएगी. राष्ट्रीय स्तर पर चल रही इस बाघ गणना अभियान में इंदौर वन विभाग की महू, चोरल, मानपुर, रालामंडल व इंदौर फॉरेस्ट रेंज शामिल हैं.

विभाग की टीमों द्वारा पदचिन्ह दर्ज करने का काम जारी है. अब तक इंदौर जिले के जंगलों में तेंदुए के 195 और बाघ के 51 पदचिन्ह दर्ज किए जा चुके हैं. इससे यह अंदाजा नहीं लगा सकते कि 51 बाघ हो गए, हो सकता है कि यह एक ही बाघ के निशान हों, जो पूरे क्षेत्र में घूम रहा हो. डीएफओ का कहना है कि आंकड़ों से स्पष्ट है कि जिले के जंगलों में बाघ और तेंदुओं की उपस्थिति मजबूत है, वैज्ञानिक विश्लेषण के बाद यह भी स्पष्ट होगा कि इनकी आबादी में वृद्धि हुई है या नहीं.

ये है गणना का विवरण...

चोरल रेंज में तेंदुए के 89 और बाघ के 37 पदचिन्ह, इंदौर रेंज में 40 तेंदुए व 5 बाघ के पदचिन्ह, महू में 32 तेंदुए और 7 बाघ के निशान मिले. मानपुर क्षेत्र में 32 तेंदुओं और 2 बाघों के चिन्ह दर्ज हुए. रालामंडल में तेंदुए के 2 पदचिन्ह, जबकि बाघ का कोई निशान नहीं मिला. इंदौर वन विभाग में सबसे अधिक 126 निशान, चोरल फॉरेस्ट रेंज में दर्ज किए गए हैं. इसके बाद इंदौर रेंज दूसरे स्थान पर है, जबकि महू और मानपुर क्षेत्र में भी वन्यजीवों की अच्छी मौजूदगी सामने आई है.

होस्टल में घुसे हथियारबंद नकाबपोशों ने छात्र से चेन और 50 हजार लूटे

- देर रात बोला पांच बदमाशों ने होस्टल पर धावा
- पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद, दो कारों से आते दिखे बदमाश

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर के एक होस्टल में देर रात घुसे नकाबपोश बदमाशों के गिरोह ने छात्र पर हमला कर सोने की चेन और पचास हजार रुपए लूट लिए. पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरों में कैद हुई है, फुटेज में पांच हमलावर दो वाहनों से आते और भीतर घुसते दिखाई दे रहे हैं. पुलिस पुरानी रंजिश की संभावना पर भी जांच कर रही है.

घटना भंवरकुआं क्षेत्र के सर्वानंद नगर स्थित आरजी होस्टल की है. यहां रहने वाले उज्जवल गुप्ता ने थाने पहुंच कर रिपोर्ट दर्ज कराई कि दो दिन पहले रात करीब तीन बजे वह कमरे में सो रहा था, तभी दो कारों से आए करीब पांच नकाबपोश उसके कमरे तक पहुंच गए. उनके हाथों में रॉड और डंडे थे. सभी ने मिलकर उस पर हमला किया और धमकाते हुए चेन व करीब 50 हजार रुपए छीन लिए.

15 मिनट में वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए बदमाश

पूरा घटनाक्रम करीब 15 मिनट में निपटा और बदमाश दोनों कारों से फरार हो गए. सीसीटीवी में पांचों आरोपी नजर आ रहे हैं, हालांकि चेहरों पर कपड़ा बंधा होने से पहचान स्पष्ट नहीं हो पाई है. जांच में यह जानकारी भी सामने आई है कि घटना से दो-तीन दिन पहले से कुछ संदिग्ध होस्टल के आसपास वाहन दौड़ाते देखे गए थे. मामले में पुलिस सीसीटीवी फुटेज के अधार पर जांच कर आरोपियों की तलाश जारी है.

ज्वेलर से 40 लाख का सोना ठगा, महिला का हार चोरी

- शहर में एक ही दिन हुई तीन वारदातें
- अस्पताल के काउंटर से कर्मचारी का मोबाइल गायब

नव भारत न्यूज

इंदौर. सराफा बाजार में एक ज्वेलर के साथ आधा किलो सोने की ठगी का मामला सामने आया है. आरोपी ने आधा किलो सोना खरीदने के नाम पर व्यापारी को चकमा देकर 40 लाख रुपए का सोना लेकर फरार हो गया. आरोपी ने वारदात से करीब दो माह पहले ही सराफा क्षेत्र में दुकान किराए पर ली थी. सराफा पुलिस ने ऊषा नगर निवासी मुकेश पुत्र मुरारीलाल अग्रवाल की शिकायत पर शांतिलाल सावरिया निवासी शक्कर बाजार के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर है.

सराफा थाना प्रभारी राजकुमार लिटोरिया ने बताया कि क्षेत्र में मुकेश पिता मुरारीलाल अग्रवाल निवासी ऊषा नगर ने पुलिस को बताया कि शांतिलाल सावरिया निवासी शक्कर बाजार ने आधा किलो सोना खरीदने के सौदे में 20 लाख रुपए नकद देकर बाकी 40 लाख रुपए दुकान से देने का भरोसा दिलाया. 28 नवंबर को जब मुकेश के कर्मचारी हरेराम और वरुण सोना लेकर आरोपी की दुकान पहुंचे तो शांतिलाल ने सोना ले लिया और तिजोरी में रखकर रकम लाने की बात कहकर दुकान के अंदर चला गया. काफी देर तक इंतजार के बाद भी जब वह नहीं आया तो कर्मचारियों ने देखा और पाया कि आरोपी दुकान के पीछे बने दूसरे दरवाजे से सोना लेकर फरार हो चुका है. पुलिस जांच में पता चला कि आरोपी ने करीब 56 दिन पहले ही दुकान किराए पर ली थी. इस मामले में एफआईआर दर्ज कर पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है.

हार सुधरवाने पहुंची महिला ने पर्स खोला तो हार गायब मिला

इसी तरह सराफा क्षेत्र में शनिवार को एक और वारदात हुई. कोयला बाखल में रहने वाली परवीन ने बताया कि वह हार सुधरवाने एक दुकान पहुंची थीं, लेकिन बाटा शोरूम के सामने पर्स खोला तो उसमें रखा सोने का हार गायब मिला. पुलिस ने अज्ञात आरोपी पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. उधर, तुकोगंज थाना प्रभारी जितेन्द्र यादव ने बताया कि लक्ष्मी मेमोरियल अस्पताल में चोरी का मामला दर्ज हुआ है. कर्मचारी जितेंद्र जिनवाल निवासी राधिका सोसायटी ने पुलिस को बताया कि काउंटर की दराज में रखा उसका मोबाइल फोन चोरी हो गया. फुटेज में एक युवक मोबाइल निकालते नजर आ रहा है, जो बाहर साथी से मिला और बाद में तीसरे युवक संग स्कूटर पर बैठकर फरार हो गया. मामले में पुलिस ने संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है. पुलिस को वारदात का जल्द खुलासा होने की उम्मीद है.

एमजीएम कॉलेज में एक बार फिर रैगिंग का मामला उजागर

- जूनियरों से मारपीट, शराब पिलाने और धमकाने के लगे आरोप
- पहले भी रैगिंग में निलंबित रहे दो सीनियर फिर आरोपों में घिरे
- मेडिकल कॉलेज में एक माह में दूसरी गंभीर शिकायत

नव भारत न्यूज

इंदौर. एमजीएम कॉलेज में रैगिंग के मामले लगातार सामने आ रहे हैं. कॉलेज प्रशासन को मिले एक गुमनाम पत्र में जूनियर छात्रों ने सीनियरों पर निजी फ्लैट में ले जाकर मारपीट, धमकाने, जबरन शराब पिलाने और नाचने के लिए मजबूर करने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं. जांच में मामला सही पाए जाने पर डीन ने कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं.

मेडिकल कॉलेज प्रशासन सूत्रों ने बताया कि यह घटना 2025 बैच के जूनियर छात्रों से जुड़ी है, जिन्होंने बताया कि 2024 बैच के सीनियरों ने उन्हें शहर के एक निजी फ्लैट पर बुलाया. यहां उनके साथ मारपीट की गई, धमकाया गया और शराब पीने के लिए दबाव बनाया गया. आरोप है कि विरोध करने पर छात्रों से जबरदस्ती नाचने को भी कहा. इसमें गौर करने वाली बात यह है कि आरोपियों में वे दो सीनियर भी शामिल हैं, जिन पर 18 नवंबर की रैगिंग की घटना में कार्रवाई करते हुए कॉलेज ने एक माह का निलंबन लगाया था. इसके बावजूद रैगिंग का सिलसिला नहीं रुका.

कॉलेज प्रशासन को एक गुमनाम पत्र से मिली रैगिंग की शिकायत

रैगिंग की शिकायत ऑनलाइन यूजीसी पोर्टल पर नहीं, बल्कि कॉलेज प्रशासन को एक गुमनाम पत्र के रूप में मिली. शिकायत मिलते ही एंटी-रैगिंग कमेटी ने जांच शुरू की और सीनियर व जूनियर छात्रों के बयान अलग-अलग दर्ज किए. कमेटी की जांच में लगाए गए आरोप सही साबित हुए. सूत्रों के अनुसार, पीड़ित जूनियरों में शहर के एक वरिष्ठ डॉक्टर का बेटा भी शामिल है. बयान दर्ज करते समय कई छात्र इतने डरे हुए थे कि खुलकर जानकारी देने में हिचकिचा रहे थे. मामले में डीन डॉ. अरविंद घनघोरिया का कहना है कि कॉलेज प्रशासन ने रैगिंग के इस मामले को गंभीरता से लिया है और विस्तृत जांच की जा रही है, संबंधित छात्रों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों.

एक नजर में

पुलिस ने नो-एंट्री में घुसे 10 ट्रक पकड़े

इंदौर. पुलिस ने नो-एंट्री तोड़कर शहर में दाखिल होने वाले भारी वाहनों पर एक बार फिर एक्शन लिया. पुलिस ने एक ही दिन में 10 वाहनों पर चालान काटकर 50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया. शहर में यातायात को सुगम और सुरक्षित रखने के लिए पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर लगातार कार्रवाई जारी है. जिसके तहत 20 दिसंबर की सुबह से लेकर 21 दिसंबर की सुबह तक नो-एंट्री प्रतिबंध का उल्लंघन करते पकड़े गए भारी वाहनों के खिलाफ पुलिस ने चालानी कार्रवाई की. ट्रैफिक सिस्टम को व्यवस्थित करने और दुर्घटनाओं पर रोक लगाने के उद्देश्य से की गई इस कार्रवाई में 10 वाहनों का चालान काटकर 50 हजार रुपए का समन शुल्क वसूल कर शासन खाते में जमा कराया.

नेत्र शिविर : 312 मरीजों की जांच, 128 का ऑपरेशन के लिए चयन

महू. शंकरा आई सेंटर इंदौर के सहयोग से लायंस क्लब के तत्वावधान में 85वां नेत्र शिविर माहेश्वरी विद्यालय में लगाया गया. शिविर में नेत्र विशेषज्ञों की टीम द्वारा 312 मरीजों की जांच की गई, जिसमें 128 मरीजों को ऑपरेशन के लिए चयनित किया गया. लायंस क्लब महू द्वारा 60 वर्षों में 28 हजार 500 से अधिक मरीजों की जांच और 9000 से अधिक ऑपरेशन कराए जा चुके हैं. चयनित मरीजों के लिए निःशुल्क ऑपरेशन, दवा, चश्मा, भोजन, शिविर स्थल से ले जाने और छोड़ने की व्यवस्था की जाती है. शिविर में लायन डिस्ट्रिक्ट 3233 जीवी रीजन-5 चेयर पर्सन लायन अजय सिंघल एवं शंकर आई सेंटर इंदौर के डॉ. केके सिंह एवं शंकर आई फाऊंडेशन कोयंबटूर के नीलमेगम गोपाल विशेष रूप से उपस्थित हुए. शिविर में विक्रांत नर्सिंग कॉलेज के विद्यार्थियों ने सराहनीय सहयोग दिया. शिविर में लायंस क्लब अध्यक्ष आशीष दादू, सचिव मयंक गुप्ता, कोषाध्यक्ष आलोक अग्रवाल, नेत्र ज्योति महायज्ञ समिति के चेयर पर्सन राजीव खंडेलवाल एवं नेत्र शिविर के संयोजक योगेश मूंदड़ा, अमित अग्रवाल, सुदेश बंसल, राजेश बंसल, विक्रम मेवाड़ा, अरविंद अग्रवाल सहित लायंस क्लब के सभी सक्रिय सदस्यों का अनुकरणीय सहयोग रहा.

ईसाई समुदाय की रैली : दिया एकता और भाईचारे का संदेश

महू. क्रिसमस पर्व से पहले रविवार को महू शहर में ईसाई समुदाय ने रैली निकाली. इस रैली का आयोजन मध्य प्रदेश यूनाइटेड क्रिश्चियन एसोसिएशन और चैरिटेबल ट्रस्ट ने किया. बड़ी संख्या में समाज के लोग इस रैली में शामिल हुए. रैली सेंट मैरी स्कूल से शुरू होकर प्रमुख मार्गों से होती हुई निकली. इसमें कई लोग सांता क्लॉस की वेशभूषा में थे. उन्होंने शहरवासियों को चॉकलेट बांटे. छोटे बच्चे भी सांता क्लॉस बनकर विभिन्न गानों पर नृत्य करते दिखाई दिए. रैली के अलावा, समाज के सदस्य रोजाना एक-दूसरे के घर जाकर कैरोल गीत गा रहे हैं और एक-दूसरे को क्रिसमस की बधाई दे रहे हैं. इस प्रकार समाज में खुशियों और भाईचारे का माहौल कायम किया जा रहा है.

पुलिस की सख्ती : होटल-ढाबों की सर्चिंग, ड्रोन पेट्रोलिंग और फ्लैग मार्च

इंदौर. शहर में अपराध नियंत्रण और बदमाशों पर सख्ती के लिए पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर जोन-2 क्षेत्र में पुलिस ने विशेष अभियान चलाया. अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अमित सिंह, पुलिस उपायुक्त जोन-2 कुमार प्रतीक और अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जोन-2 अमरेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में अभियान का संचालन हुआ. कार्रवाई के तहत जोन-2 के सभी छोटे-बड़े होटल और ढाबों में सघन सर्चिंग की गई. साथ ही सभी थाना क्षेत्रों में वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में जनसंवाद और मोहल्ला मीटिंग का आयोजन कर लोगों से सीधे बात की गई और उनके सुझाव सुने. क्षेत्र में निगरानी बढ़ाने के लिए ड्रोन पेट्रोलिंग शुरू की है. इसके अलावा संवेदनशील इलाकों में भारी पुलिस बल के साथ फ्लैग मार्च निकाला, जिससे बदमाशों और असामाजिक तत्वों पर पुलिस की कड़ी नजर है, का संदेश दिया.

पुलिस का नवाचार : नशा छोड़ने बच्चों की लगाई 'पाठशाला'

- सकारात्मक बदलाव लाने के लिए परिवारों संग किया संवाद

इंदौर. नशे की लत से जूझ रहे युवाओं को सामान्य जीवन से जोड़ने और परिवारों में सकारात्मक बदलाव लाने के उद्देश्य से शहर की जोन-3 पुलिस की ओर से विशेष पाठशाला आयोजित की गई. आयोजन संयोगितागंज अनुभाग के रीगल स्थित कार्यालय में हुआ.

कार्यक्रम एडीसीपी जोन-3 रामस्नेही मिश्रा के निर्देशन और एसीपी संयोगितागंज तुषार सिंह के नेतृत्व में आयोजित किया गया. इसके लिए थाना छोटी ग्वालटोली प्रभारी द्वारा नशे की गिरफ्त में आए बच्चों को परिवार सहित उपस्थित होने बुलाया गया. पाठशाला में पुलिस अधिकारियों ने बच्चों व परिजनों से एक-एक कर बातचीत की. नशे के दुष्प्रभाव, परिवार पर पड़ने वाले असर और भविष्य पर इसके नकारात्मक परिणामों के बारे में समझाया.

परिवारों ने बच्चों को नशे से दूर रखने का दिया वचन

परिवारों ने भी सहयोग का भरोसा दिया और बच्चों को नशे से दूर रखने का वचन दिया. सत्र के दौरान विभिन्न प्रश्न पूछकर बच्चों को जागरूक किया. सभी ने सुधार की इच्छा जताते हुए नशे से दूरी बनाने की कसम खाई. परिवारों ने भी संयुक्त रूप से प्रयास कर बच्चों को नशे से बाहर निकालने का संकल्प लिया. एसीपी तुषार सिंह का कहना है कि पुलिस का लक्ष्य नशे पर अंकुश लगाना और युवाओं को समाज की मुख्यधारा से जोड़ना है.

सड़क पर युवती से की बदसलूकी रास्ता रोककर गला दबाया

इंदौर. एरोड्रम थाना क्षेत्र में एक युवती के साथ बीच सड़क पर मारपीट और धमकाने का मामला सामने आया है. आरोपी ने रास्ता रोककर युवती का गला दबाया, मोबाइल छीनने की कोशिश की और विरोध करने पर धक्का देकर बाइक सहित गिरा दिया. पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है.

21 वर्षीय युवती ने पुलिस को बताया कि वह सुबह अपनी छोटी बहन को एमपी पब्लिक स्कूल छोड़ने पहुंची थी. घटना एरोड्रम थाना क्षेत्र के 60 फीट रोड पर हुई. बहन को स्कूल के सामने छोड़कर घर लौटते समय अचानक उसका पूर्व परिचित अर्जुन चौहान, निवासी ग्राम चापड़ा जिला देवास, वहां आ पहुंचा. आरोपी ने आते ही युवती को गालियां दीं और जबरन उसकी बाइक पर पीछे बैठ गया. इसके बाद मोबाइल छीनने की कोशिश करते हुए उसने युवती का गला दबा दिया और थप्पड़ मारे. पीड़िता ने उसे बाइक से उतरने को कहा तो आरोपी ने धक्का देकर युवती को बाइक सहित सड़क पर गिरा दिया.

बाइक से नीचे गिराने के बाद आरोपी ने युवती को धमकाते हुए कहा कि उसे उससे बात करनी ही होगी, नहीं करने पर वह जान से खत्म कर देगा. घटना के दौरान शोर मचने पर आसपास के लोग जुटने लगे तो आरोपी मौके से फरार हो गया. एरोड्रम थाना प्रभारी वरुण सिंह भाटी ने बताया कि पुलिस ने युवती की रिपोर्ट पर आरोपी अर्जुन चौहान के खिलाफ मारपीट, गाली-गलौच, जान से मारने की धमकी सहित विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया है. आरोपी की तलाश की जा रही है.

पिता और दो बेटों ने मिलकर पुलिस वालों को पीटा

- सड़क पर हुड़दंग रोकने पहुंची थी पुलिस टीम

इंदौर. बाणगंगा इलाके में सड़क पर हुड़दंग रोकने पहुंची पुलिस टीम पर तीन आरोपियों ने हमला कर दिया. सरकारी काम में बाधा डालते हुए पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट और बदसलूकी की गई. घटना के बाद पुलिस ने पिता और दो बेटों के खिलाफ केस दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है.

घटना बाणगंगा थाना क्षेत्र के न्यू बजरंगपुरा इलाके में बीती रात करीब 10 बजे की है. सड़क पर खड़े वाहन और जमा भीड़ के कारण रास्ता जाम होने की सूचना पर ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी रामकुमार त्यागी और प्रधान आरक्षक चरणसिंह मौके पर पहुंचे थे. यहां कुछ युवक सड़क पर वाहन खड़े कर हुड़दंग मचा रहे थे, जिससे आवागमन पूरी तरह अवरुद्ध हो गया था. पुलिस कर्मियों ने उन्हें वहां से हटने और जाम खुलवाने का निर्देश दिया तो वे विवाद करने लगे. इसी दौरान धीरज पिता विक्रम सोनारथिया, विक्रम पिता रघुनाथ और आर्यन पिता विक्रम भड़क गए और पुलिस टीम से बदसलूकी करने लगे. विवाद बढ़ने पर सभी आरोपियों ने मिलकर पुलिसकर्मियों के साथ झूमाझटकी और मारपीट की, साथ ही शोर मचाकर आसपास के लोगों को भी इकट्ठा कर लिया. तीनों ने पुलिस वाहन के आगे खड़े होकर टीम को आगे बढ़ने से रोकने की कोशिश भी की, जिससे शासकीय कार्य प्रभावित हुआ. थाना प्रभारी सियाराम गुर्जर ने बताया कि पीड़ित पुलिसकर्मी रामकुमार त्यागी की शिकायत पर बाणगंगा पुलिस सरकारी काम में बाधा, मारपीट और अभद्र व्यवहार सहित अन्य धाराओं में आरोपी धीरज, उसके पिता विक्रम और भाई आर्यन के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर तीनों की तलाश में दबिश दे रही है.

हमारी सवारी भरोसे वाली और पटरी की पाठशाला सराहनीय कदम

- पुलिस की पहल की सांसद और महापौर ने की सराहना

इंदौर. रेल यात्रियों की सुरक्षा और जागरूकता के लिए जीआरपी इंदौर द्वारा शुरू की गई दो प्रमुख पहल हमारी सवारी भरोसे वाली और पटरी की पाठशाला के एक माह पूरा होने पर रेलवे स्टेशन स्थित जीआरपी थाने में समीक्षा कार्यक्रम हुआ.

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद शंकर ललवानी और विशिष्ट अतिथि महापौर पुष्यमित्र भार्गव थे. बैठक में वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी भी मौजूद रहे. एसपी रेल पद्मविलोचन शुक्ला ने बताया कि समीक्षा में हमारी सवारी भरोसे वाली योजना के तहत किराया वाहन चालकों की जानकारी क्यूआर कोड से सत्यापित होने लगी है, जिससे यात्रियों खासकर महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों में भरोसा बढ़ा है. वहीं, पटरी की पाठशाला के जरिये बच्चों, महिलाओं और राहगीरों को रेलवे सुरक्षा, महिला सुरक्षा और नशा मुक्ति जैसे विषयों पर लगातार जागरूक किया जा रहा है.

कार्यक्रम में जीआरपी अधिकारियों, स्टेशन कर्मचारियों, कुलियों, वाहन चालकों, बच्चों, परिजनों और यात्रियों ने हिस्सा लिया. सांसद और महापौर ने दोनों अभियानों को इंदौर की सकारात्मक छवि और यात्री सुरक्षा को मजबूत करने वाला कदम बताया. कार्यक्रम रेल सुरक्षा को और सुदृढ़ करने के संकल्प के साथ सम्पन्न हुआ.

समस्या पूरी जिंदगी की कमाई नष्ट होने के बाद न मुआवजा मिला न ही वैकल्पिक स्थान, जो फ्लैट दिए जा रहे वे परिवार के साथ रहने लायक नहीं

सड़क निर्माण में बाधक मकान तोड़ने से लाखों परिवार हो गए बेघर

इंदौर. पिछले कुछ वर्षों में शहर में सडकों के निर्माण के नाम पर सैकड़ों मकान को ध्वस्त कर दिया गया, जिसके चलते लाखों परिवार बेघर हो गए. उनकी पूरी जिंदगी की पूंजी नष्ट होने के बाद उन्हें न तो मुआवजा मिला और ना ही हक की जमीन.

यूं तो ऐसा शहर के कई क्षेत्रों में हुआ है, पर हम बात कर रहे हैं आरआई-2 मार्ग की. यह मार्ग एमआर-10 स्टार चौराहा से होते हुए खजराना, बंगाली कॉलोनी, मूसाखेड़ी से होता हुआ आरटीओ पहुंचेगा. वर्तमान में खजराना क्षेत्र के न्यू दाऊदी कॉलोनी के करीब सौ मकानों को पूरी तरह से नष्ट कर दिया गया और कुछ मकानों के हिस्से तोड़ दिए गए. इन

मकानों में रहने वाले लोग अधिकतर मजदूर वर्ग से हैं, जिन्होंने पाई-पाई जोडक़र कॉलोनाइजर से प्लॉट खरीदा और लोन लेकर अपने परिवार के लिए मकान बनाया. इन रहवासियों को कॉलोनाइजर और निगम अधिकारियों द्वारा अंधकार में रखा गया. उन्हें नहीं बताया गया कि यहां मास्टर प्लॉन के अंतर्गत फोरलेन मार्ग निकलेगा. नगर निगम द्वारा जिनके मकान ध्वस्त किए गए, उन्हें किसी भी तरह का मुआवजा नहीं दिया जा रहा और ना ही इन्हें आवास बनाने के लिए कहीं जमीन दी जा रही है. अगर दिया जा रहा है तो मल्टी में फ्लैट जिस पर भी प्रशासन रुपए ले रहा है. ऐसे में सवाल यह उठता है कि कॉलोनाइजर से मोटी रिश्वत एंठने वाले अधिकारियों और कॉलोनाइजर पर कार्रवाई होगी या नहीं. क्योंकि इन दोनों के खेल में नुकसान गरीब जनता का हुआ है.

यह बोले यू दाऊदी कॉलोनी के रहवासी...

प्रशासन ने हमें रोड पर लाकर खड़ा कर दिया है. अब कोई मदद नहीं की जा रही. हमें मुआवजा दिया जाए या जमीन के बदले जमीन. बेवा हूं बेटी के सिवा मेरा कोई नहीं.
– नसरीन बी

मैंने कर्जा लेकर के मकान बनाया था, जो आज भी उतार रही हूं. मकान में तीन परिवार रह रहे थे, जो बेघर हो गए हैं. हमें मुआवजे में प्लॉट की जगह प्लॉट दिया जाए.
– नियाज सायरा बी

पूरी जिंदगी की पूंजी बर्बाद कर दी. हम मुआवजे की मांग करते हैं, हमें हमारा हक ईमानदारी से दिया जाए. जहां फ्लैट दिए जा रहे हैं, वहां पर परिवार के रहने लायक जगह नहीं है.
– अब्दुल कुद्दूस शेख